This question paper contains 3 printed pages.

8594

Your Roll No. ....
आपका अनुक्रमांक

B.A. Prog. / II **IS**

(A)

BUDDHIST STUDIES DISCIPLINE— Paper II

(Buddhist Thought and Teachings)

(Admissions of 2004 and onwards)

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

Time : 3 hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75

पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Answer any four questions.
All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short note on any *one* of the following:

P. T. O.

(*i*) Brahmavihāra

(*ii*) Middle Path

(*iii*) Anātmavāda

(*iv*) Samādhi.

निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए:

(*i*) ब्रह्मविहार

(*ii*) मध्यम मार्ग

(*iii*) अनात्मवाद

(*iv*) समाधि।

2. Write an essay on the 'Nirvāna' according to the 'Theravāda' Buddhism.

थेरवादी बौद्ध परम्परा के अनुसार 'निर्वाण' पर एक निबंध लिखिए।

3. What is 'Eight-fold Path'? Why is it called 'Middle Path'? Explain it.

'आर्य अष्टांगिक मार्ग' क्या है? इसे 'मध्यम मार्ग' क्यों कहा जाता है? इसका वर्णन कीजिए।

4. Explain the three characteristics of the world, *i. e.*, 'Trilakshana'.

संसार के तीन विशिष्ट लक्षण (त्रिलक्षण) का वर्णन कीजिए।

5. Write an essay on the theory of 'Karma and Rebirth'.

'कर्म व पुनर्जन्म' के सिद्धांत पर एक निबंध लिखिए।

6. Explain the philosophy of 'Shunyavāda'.

'शून्यवाद' के दार्शनिक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

Or (अथवा)

Give explanation of the philosophy of 'Sthaviravāda'.

'स्थविरवाद' के दार्शनिक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

7. Write a short note on 'Triratna' *or* 'Pāramitā' in Buddhism.

बौद्ध धर्म में वर्णित 'त्रिरत्न' अथवा 'पारमिता' के सिद्धांत की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

8. Discuss briefly the philosophical implication of the theory of 'Sila' *or* 'Prajnā' (Pragya) in Buddhism.

बौद्ध धर्म में वर्णित 'शील' अथवा 'प्रज्ञा' के दार्शनिक तात्पर्य का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।